Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 1100111376 Date: 22-04-2020 Validity : 1 Year Only

नाम: Nishith Rao	जन्म तिथि: 24/03/1973	जन्म समय: 06:17 AM
जन्म स्थान: Ahmedabad	मांगलिक योग: NO	इष्ट देव: Shiv Shankar

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Mangal (उच्च)	30%	Guru (नीच)	70%
2.			Shukra (अस्त)	30%
3.			Budh (वं)	80%
4.			Chandra (नीच)	50%
5.			Shani	70%
6.			Surya	50%

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

Rahu & Ketu (नीच) = 100%

2. राजयोग (अच्छा योग): धन लक्ष्मी योग (Achie = 10%), मूँगा Immediate धारण करें। जीवन भर धारण करके रखें।

3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग, (चन्द्र का दान व उपाय करें।)

4. शुभ दिन: only Tuesday.

5. शुभ रंग: लाल (Red). (काला, नीला, पीला) से परहेज करें।

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. मूँगा (Red Coral)	10+	Right	Ring	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में मंगलवार को शुक्ल पक्ष में सुबह 8:15 Am धारण करें। (only Shukla Paksha)
2.				
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

माणिक, ओपल, हीरा, फिरोजा, पुखराज, नीलम, मोती, गोमेद, लहसुनिया आदि वर्जित हैं।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) ✗ ✓ सूर्य देव : सूर्य देव को जल देना है तथा गेहूँ का दान या रोटी गाय को खिलाएं हर रविवार को। रोग कम करने में मदद मिलेगी। (Pills of Problem होगी!)

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव	:	हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।
चन्द्रमा देव	:	मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग
मंगल देव	:	खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग
बुध देव	:	त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : सूर्य, राहु, केतु, गुरु का दान व जाप करने से Health Problems तथा समस्याऐं समाप्त होंगी!

Comments:

☹ चन्द्र नीच होने के कारण माता सुख में कमी रहेगी।

☹ राहु, केतु (नीच) होने के कारण कामकाज में परेशानी तथा उधार कर्जा बढ़ेगा, माता से दूरियाँ बढ़ेंगी। तथा Foreign में Permanent Settlement के योग बनाऐगी!
राहु व केतु का दान व पाठपूजन करने से समस्याऐं शान्त होंगी। Work में stability आऐगी!

☹ Stomach related issues रहेंगे, शनि, चन्द्र, गुरु के कारण। इनके दान करने से समस्या कम होगी!

☹ बृहस्पति देव का बल कमजोर कीजिए तथा मंगल देव का मूँगा धारण करके मंगल का बल बढ़ाइऐ। धन आगमन में वृद्धि होगी तथा Health Problems में कमी आऐगी एवं कर्जा कम होगा। Savings बढ़ेंगी तथा परिवार में सुख शान्ति रहेगी!

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

(☹) शुक्र की महादशा : 12/01/2010 to 12/01/2030 : जीवन दशा (30%)

शुक्र/गुरु : 14/03/2020 to 12/11/2022 : जीवन दशा (90%).

(☺) शुक्र/गुरु/गुरु : 14/03/20 to 21/03/20 : जीवन दशा (100%)
↳ {शुक्र तथा गुरु का दान व उपाय आगे support से देखकर follow करें!}.

शुक्र/गुरु/शनि : 22/03/20 to 23/12/20 : जीवन दशा (100%)
↳ (गुरु, शुक्र तथा शनि यंत्र का पाठपूजन, व दान व उपाय अवश्य करें!)

शुक्र/गुरु/बुध : 24/12/20 to 09/05/2021 : जीवन दशा (100%)
↳ foreign settlement होगा!
(शुक्र, गुरु तथा बुध के पाठ पूजन व दान करें!)

शुक्र/गुरु/केतु : 10/05/21 to 05/03/21 : जीवन दशा (100%)
(शुक्र, गुरु, केतु को शान्त करें उपाय व दान की मदद से)

शुक्र/गुरु/सूर्य : 06/03/21 to 01/02/22 : जीवन (80%)
(शुक्र, गुरु, सूर्य के उपाय करना है।)

शुक्र/गुरु/चन्द्र : 02/02/22 to 24/04/22 : जीवन (90%) — (शुक्र, गुरु, चन्द्र के उपाय करें!)

शुक्र/गुरु/मंगल :- 25/04/22 to 19/06/22 : अच्छा समय :
(काफी धन आएगा) (शुक्र/गुरु के उपाय करें।)

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय: **(शुक्रवार को करना है)**	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।** हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**

शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)** **सूर्यास्त के बाद करना है**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ शं शनैश्चराय नम:)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)** **सूर्यास्त के बाद करना है**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नम:)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नम:), सूर्यास्त के बाद करना है**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

Nishith Rao

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011376 Date: 22/04/2020

Nishith Rao

24 Mar 1973 06:17 AM

Ahmedabad

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Nishith Rao

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011376 Date: 22/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **23-24/03/1973**
दिन	: शुक्र–शनिवार
जन्म समय	: **06:17:00 ांटे**
इष्ट	: 58:59:42 घटी
स्थान	: **Ahmedabad**
राज्य	: Gujarat
देश	: India

अक्षांश	: 23:03:00 उत्तर
रेखांश	: 72:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:39:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 05:37:40 घंटे
वेलान्तर	: -00:06:41 घंटे
साम्पातिक काल	: 17:43:05 घंटे
सूर्योदय	: 06:41:07 घंटे
सूर्यास्त	: 18:51:15 घंटे
दिनमान	: 12:10:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 09:45:36 मीन
लग्न के अंश	: 00:52:13 मीन

चैत्रादि संवत / शक	: 2029 / 1894
मास	: चैत्र
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 4
तिथि समाप्ति काल	: 08:38:11
जन्म तिथि	: 5
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: विशाखा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 21:33:02 घंटे
जन्म नक्षत्र	: अनुराधा
सूर्योदय कालीन योग	: हर्षण
योग समाप्ति काल	: 10:21:19 घंटे
जन्म योग	: वज्र
सूर्योदय कालीन करण	: बालव
करण समाप्ति काल	: 08:38:11 घंटे
जन्म करण	: तैतिल
भयात	: 21:49:57
भभोग	: 67:13:58
भोग्य दशा काल	: शनि 12 वर्ष 9 मा 20 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: मीन – गुरु
राशि–स्वामी	: **वृश्चिक – मंगल**
नक्षत्र–चरण	: **अनुराधा – 2**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: वज्र
करण	: तैतिल
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: नी–नीरज
पाया(राशि–नक्षत्र)	: रजत – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष

ात चक्र	
मास	: आश्विन
तिथि	: 1-6-11
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: रेवती
योग	: व्यतिपात
करण	: गर
प्रहर	: 1
वर्ग	: गरूड़
लग्न	: वृश्चिक
सूर्य	: मकर
चन्द्र	: वृष
मंगल	: कुम्भ
बुध	: वृश्चिक
गुरु	: मीन
शुक्र	: मेष
शनि	: कर्क
राहु	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	00:52:13	481:25:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	———
सूर्य			मीन	09:45:36	00:59:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	07:40:49	11:55:13	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	नीच राशि
मंगल			मक	04:29:52	00:42:31	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध	व		कुंभ	22:03:52	00:19:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			मक	12:06:37	00:10:28	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र		अ	मीन	05:29:14	01:14:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			वृष	21:29:43	00:04:03	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	19:24:44	00:05:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	19:24:44	00:05:10	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	नीच राशि
हर्ष	व		कन्या	28:18:09	00:02:24	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	———
नेप	व		वृश्चि	13:53:34	00:00:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	———
प्लूटो	व		कन्या	09:35:07	00:01:39	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	———
दशम भाव			धनु	02:38:08	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:16

लग्न–चलित

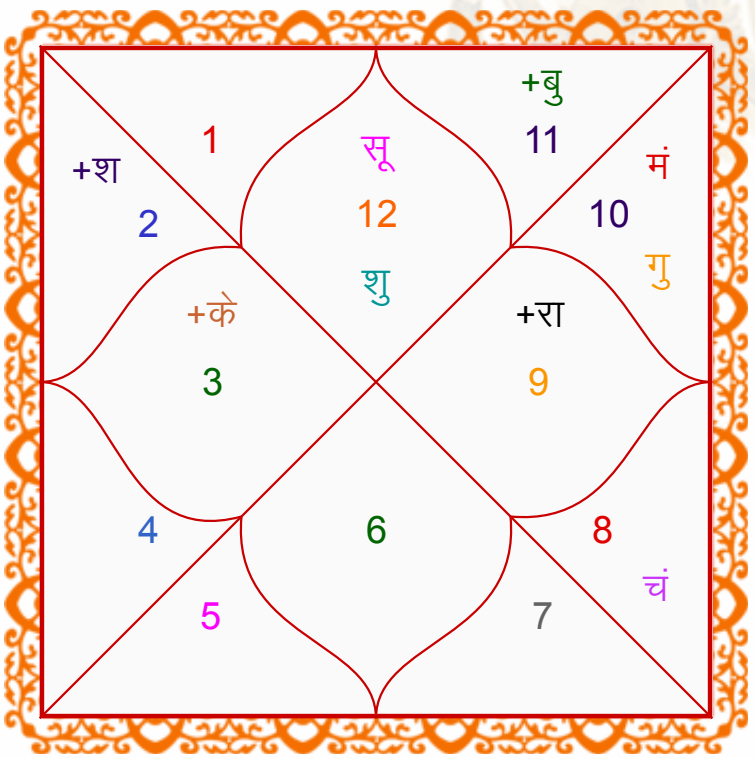

चन्द्र कुंडली

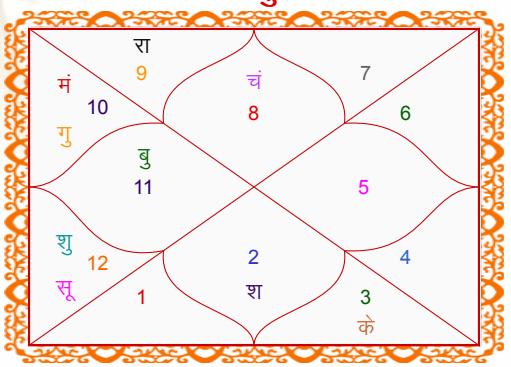

नवमांश कुंडली

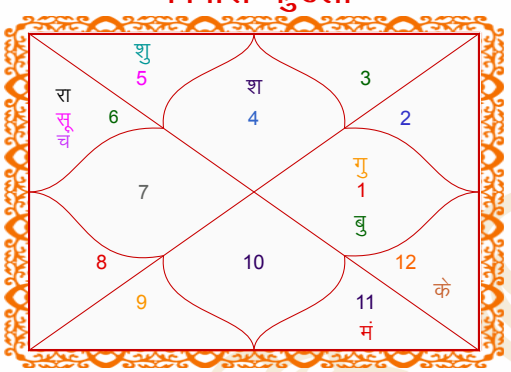

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	50	2	52	8	2	53	10
सप्तवर्गज बल	120	131	75	120	86	116	124
ओजयुग्मक बल	0	30	15	30	15	15	0
केन्द्र बल	60	15	30	15	30	60	15
द्रेष्काण बल	15	0	15	0	0	0	0
कुल स्थान बल	245	178	187	173	134	244	149
कुल दिग्बल	28	8	49	57	44	31	27
नतोन्नत बल	28	32	32	60	28	28	32
पक्ष बल	19	81	19	41	41	41	19
त्रिभाग बल	0	0	60	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	0	0	0	0	0	30
वार बल	0	0	0	0	0	45	0
होरा बल	0	60	0	0	0	0	0
अयन बल	63	56	4	37	6	29	1
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	110	230	115	138	134	143	98
कुल चेष्टाबल	0	0	26	49	19	1	25
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-7	-3	-7	-6	-4	-7	35
कुल षट्बल	435	465	388	437	361	455	343
रूप षट्बल	7.3	7.8	6.5	7.3	6.0	7.6	5.7
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.5	1.3	1.3	1.0	0.9	1.4	1.1
संबंधित पद	1	4	3	6	7	2	5

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	39.39	7.97	36.90	19.43	6.74	8.49	16.29
कष्ट फल	17.07	33.59	16.30	23.57	48.51	20.51	41.47

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	361	388	455	437	465	435	437	455	388	361	343	343
भावदिग्बल	30	20	10	30	50	20	0	10	40	30	50	50
भावदृष्टि बल	1	30	61	92	52	43	72	81	24	-4	-7	3
कुल भाव बल	391	438	527	558	568	499	509	546	452	386	385	396
रूप भाव बल	6.5	7.3	8.8	9.3	9.5	8.3	8.5	9.1	7.5	6.4	6.4	6.6
संबंधित पद	10	8	4	2	1	6	5	3	7	11	12	9

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

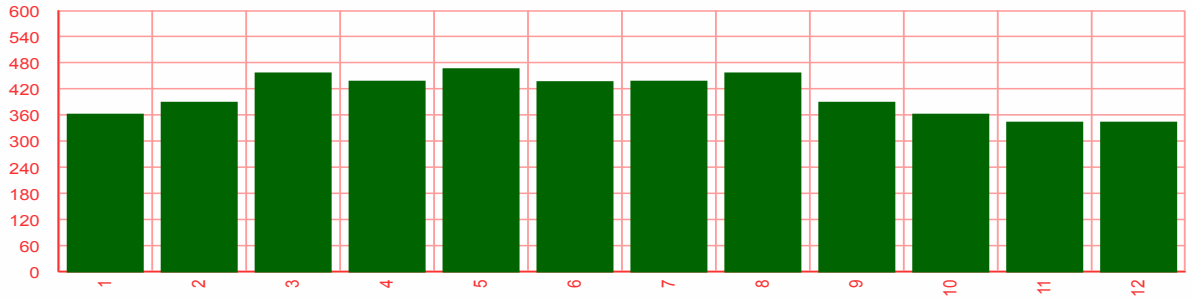

भावदिग्बल

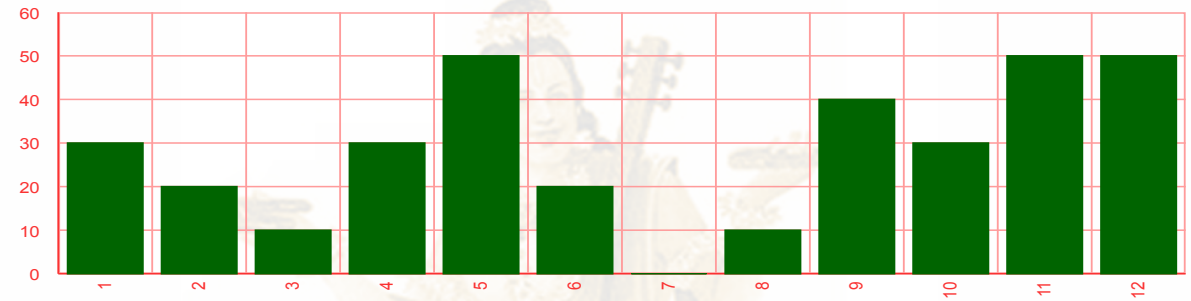

भावदृष्टि बल

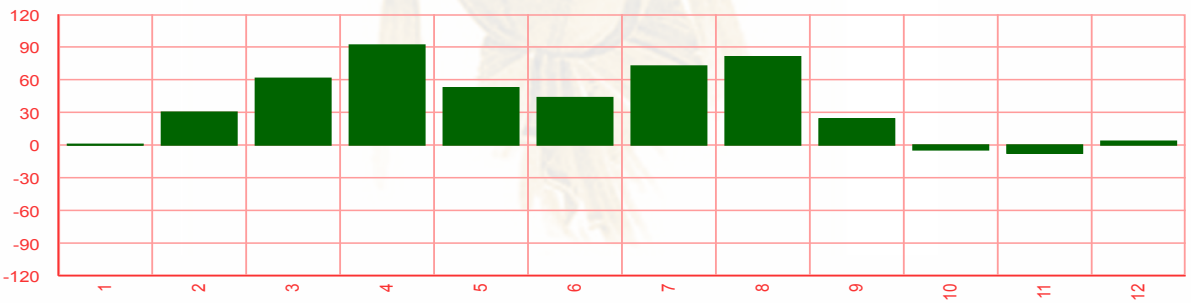

भाव बल

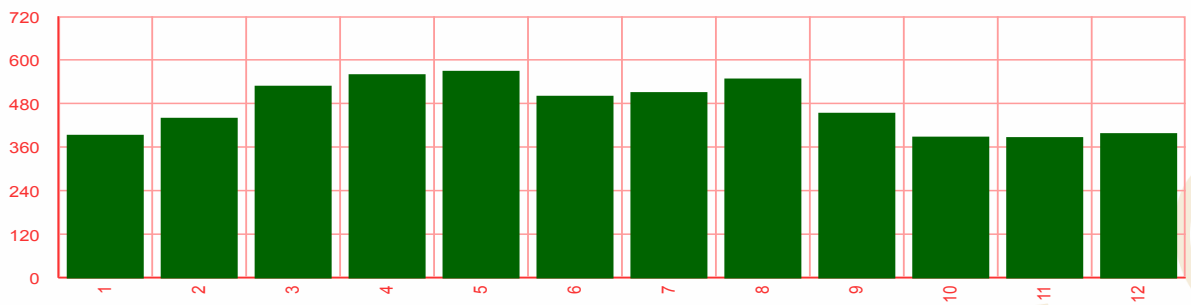

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 9 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष	
24/03/1973	
12/01/1986	
	00/00/0000
	24/03/1973
केतु	03/11/1973
शुक्र	03/01/1977
सूर्य	16/12/1977
चंद्र	17/07/1979
मंगल	25/08/1980
राहु	02/07/1983
गुरु	12/01/1986

बुध 17 वर्ष	
12/01/1986	
12/01/2003	
बुध	10/06/1988
केतु	07/06/1989
शुक्र	07/04/1992
सूर्य	11/02/1993
चंद्र	14/07/1994
मंगल	11/07/1995
राहु	27/01/1998
गुरु	04/05/2000
शनि	12/01/2003

केतु 7 वर्ष	
12/01/2003	
12/01/2010	
केतु	10/06/2003
शुक्र	10/08/2004
सूर्य	15/12/2004
चंद्र	16/07/2005
मंगल	13/12/2005
राहु	31/12/2006
गुरु	07/12/2007
शनि	15/01/2009
बुध	12/01/2010

शुक्र 20 वर्ष	
12/01/2010	
12/01/2030	
शुक्र	14/05/2013
सूर्य	14/05/2014
चंद्र	13/01/2016
मंगल	14/03/2017
राहु	13/03/2020
गुरु	12/11/2022
शनि	12/01/2026
बुध	12/11/2028
केतु	12/01/2030

सूर्य 6 वर्ष	
12/01/2030	
13/01/2036	
सूर्य	02/05/2030
चंद्र	31/10/2030
मंगल	08/03/2031
राहु	31/01/2032
गुरु	18/11/2032
शनि	31/10/2033
बुध	06/09/2034
केतु	12/01/2035
शुक्र	13/01/2036

चंद्र 10 वर्ष	
13/01/2036	
12/01/2046	
चंद्र	12/11/2036
मंगल	13/06/2037
राहु	13/12/2038
गुरु	13/04/2040
शनि	12/11/2041
बुध	14/04/2043
केतु	13/11/2043
शुक्र	13/07/2045
सूर्य	12/01/2046

मंगल 7 वर्ष	
12/01/2046	
12/01/2053	
मंगल	10/06/2046
राहु	29/06/2047
गुरु	04/06/2048
शनि	13/07/2049
बुध	11/07/2050
केतु	07/12/2050
शुक्र	06/02/2052
सूर्य	13/06/2052
चंद्र	12/01/2053

राहु 18 वर्ष	
12/01/2053	
12/01/2071	
राहु	25/09/2055
गुरु	18/02/2058
शनि	25/12/2060
बुध	14/07/2063
केतु	31/07/2064
शुक्र	01/08/2067
सूर्य	25/06/2068
चंद्र	25/12/2069
मंगल	12/01/2071

गुरु 16 वर्ष	
12/01/2071	
12/01/2087	
गुरु	02/03/2073
शनि	13/09/2075
बुध	19/12/2077
केतु	25/11/2078
शुक्र	26/07/2081
सूर्य	14/05/2082
चंद्र	13/09/2083
मंगल	19/08/2084
राहु	12/01/2087

शनि 19 वर्ष	
12/01/2087	
00/00/0000	
शनि	15/01/2090
बुध	24/09/2092
केतु	24/03/2093
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - गुरु	
13/03/2020	
12/11/2022	
गुरु	21/07/2020
शनि	23/12/2020
बुध	09/05/2021
केतु	05/07/2021
शुक्र	15/12/2021
सूर्य	01/02/2022
चंद्र	24/04/2022
मंगल	19/06/2022
राहु	12/11/2022

शुक्र - शनि	
12/11/2022	
12/01/2026	
शनि	15/05/2023
बुध	25/10/2023
केतु	01/01/2024
शुक्र	12/07/2024
सूर्य	07/09/2024
चंद्र	13/12/2024
मंगल	18/02/2025
राहु	11/08/2025
गुरु	12/01/2026

शुक्र - बुध	
12/01/2026	
12/11/2028	
बुध	08/06/2026
केतु	07/08/2026
शुक्र	27/01/2027
सूर्य	19/03/2027
चंद्र	13/06/2027
मंगल	13/08/2027
राहु	15/01/2028
गुरु	01/06/2028
शनि	12/11/2028

शुक्र - केतु	
12/11/2028	
12/01/2030	
केतु	07/12/2028
शुक्र	16/02/2029
सूर्य	09/03/2029
चंद्र	14/04/2029
मंगल	08/05/2029
राहु	11/07/2029
गुरु	06/09/2029
शनि	13/11/2029
बुध	12/01/2030

सूर्य - सूर्य	
12/01/2030	
02/05/2030	
सूर्य	18/01/2030
चंद्र	27/01/2030
मंगल	02/02/2030
राहु	18/02/2030
गुरु	05/03/2030
शनि	22/03/2030
बुध	07/04/2030
केतु	13/04/2030
शुक्र	02/05/2030

सूर्य - चंद्र	
02/05/2030	
31/10/2030	
चंद्र	17/05/2030
मंगल	28/05/2030
राहु	24/06/2030
गुरु	18/07/2030
शनि	16/08/2030
बुध	11/09/2030
केतु	22/09/2030
शुक्र	22/10/2030
सूर्य	31/10/2030

सूर्य - मंगल	
31/10/2030	
08/03/2031	
मंगल	08/11/2030
राहु	27/11/2030
गुरु	14/12/2030
शनि	03/01/2031
बुध	21/01/2031
केतु	29/01/2031
शुक्र	19/02/2031
सूर्य	25/02/2031
चंद्र	08/03/2031

सूर्य - राहु	
08/03/2031	
31/01/2032	
राहु	26/04/2031
गुरु	09/06/2031
शनि	31/07/2031
बुध	16/09/2031
केतु	05/10/2031
शुक्र	29/11/2031
सूर्य	15/12/2031
चंद्र	12/01/2032
मंगल	31/01/2032

सूर्य - गुरु	
31/01/2032	
18/11/2032	
गुरु	10/03/2032
शनि	25/04/2032
बुध	05/06/2032
केतु	22/06/2032
शुक्र	10/08/2032
सूर्य	25/08/2032
चंद्र	18/09/2032
मंगल	05/10/2032
राहु	18/11/2032

सूर्य - शनि	
18/11/2032	
31/10/2033	
शनि	12/01/2033
बुध	02/03/2033
केतु	22/03/2033
शुक्र	19/05/2033
सूर्य	06/06/2033
चंद्र	04/07/2033
मंगल	25/07/2033
राहु	15/09/2033
गुरु	31/10/2033

सूर्य - बुध	
31/10/2033	
06/09/2034	
बुध	14/12/2033
केतु	01/01/2034
शुक्र	22/02/2034
सूर्य	09/03/2034
चंद्र	04/04/2034
मंगल	22/04/2034
राहु	08/06/2034
गुरु	19/07/2034
शनि	06/09/2034

सूर्य - केतु	
06/09/2034	
12/01/2035	
केतु	14/09/2034
शुक्र	05/10/2034
सूर्य	12/10/2034
चंद्र	22/10/2034
मंगल	30/10/2034
राहु	18/11/2034
गुरु	05/12/2034
शनि	25/12/2034
बुध	12/01/2035

सूर्य - शुक्र	
12/01/2035	
13/01/2036	
शुक्र	14/03/2035
सूर्य	01/04/2035
चंद्र	02/05/2035
मंगल	23/05/2035
राहु	17/07/2035
गुरु	04/09/2035
शनि	01/11/2035
बुध	22/12/2035
केतु	13/01/2036

चंद्र - चंद्र	
13/01/2036	
12/11/2036	
चंद्र	07/02/2036
मंगल	25/02/2036
राहु	10/04/2036
गुरु	21/05/2036
शनि	08/07/2036
बुध	20/08/2036
केतु	07/09/2036
शुक्र	28/10/2036
सूर्य	12/11/2036

चंद्र - मंगल	
12/11/2036	
13/06/2037	
मंगल	24/11/2036
राहु	26/12/2036
गुरु	24/01/2037
शनि	26/02/2037
बुध	29/03/2037
केतु	10/04/2037
शुक्र	16/05/2037
सूर्य	26/05/2037
चंद्र	13/06/2037

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - राहु	
13/06/2037	
13/12/2038	
राहु	03/09/2037
गुरु	15/11/2037
शनि	10/02/2038
बुध	29/04/2038
केतु	31/05/2038
शुक्र	30/08/2038
सूर्य	26/09/2038
चंद्र	11/11/2038
मंगल	13/12/2038

चंद्र - गुरु	
13/12/2038	
13/04/2040	
गुरु	16/02/2039
शनि	04/05/2039
बुध	12/07/2039
केतु	09/08/2039
शुक्र	29/10/2039
सूर्य	23/11/2039
चंद्र	02/01/2040
मंगल	31/01/2040
राहु	13/04/2040

चंद्र - शनि	
13/04/2040	
12/11/2041	
शनि	13/07/2040
बुध	03/10/2040
केतु	06/11/2040
शुक्र	10/02/2041
सूर्य	11/03/2041
चंद्र	29/04/2041
मंगल	01/06/2041
राहु	27/08/2041
गुरु	12/11/2041

चंद्र - बुध	
12/11/2041	
14/04/2043	
बुध	24/01/2042
केतु	24/02/2042
शुक्र	21/05/2042
सूर्य	16/06/2042
चंद्र	29/07/2042
मंगल	28/08/2042
राहु	14/11/2042
गुरु	22/01/2043
शनि	14/04/2043

चंद्र - केतु	
14/04/2043	
13/11/2043	
केतु	26/04/2043
शुक्र	01/06/2043
सूर्य	11/06/2043
चंद्र	29/06/2043
मंगल	11/07/2043
राहु	12/08/2043
गुरु	10/09/2043
शनि	13/10/2043
बुध	13/11/2043

चंद्र - शुक्र	
13/11/2043	
13/07/2045	
शुक्र	22/02/2044
सूर्य	24/03/2044
चंद्र	13/05/2044
मंगल	18/06/2044
राहु	17/09/2044
गुरु	07/12/2044
शनि	14/03/2045
बुध	08/06/2045
केतु	13/07/2045

चंद्र - सूर्य	
13/07/2045	
12/01/2046	
सूर्य	23/07/2045
चंद्र	07/08/2045
मंगल	17/08/2045
राहु	14/09/2045
गुरु	08/10/2045
शनि	06/11/2045
बुध	02/12/2045
केतु	13/12/2045
शुक्र	12/01/2046

मंगल - मंगल	
12/01/2046	
10/06/2046	
मंगल	21/01/2046
राहु	12/02/2046
गुरु	04/03/2046
शनि	28/03/2046
बुध	18/04/2046
केतु	26/04/2046
शुक्र	21/05/2046
सूर्य	29/05/2046
चंद्र	10/06/2046

मंगल - राहु	
10/06/2046	
29/06/2047	
राहु	07/08/2046
गुरु	27/09/2046
शनि	27/11/2046
बुध	20/01/2047
केतु	11/02/2047
शुक्र	16/04/2047
सूर्य	05/05/2047
चंद्र	06/06/2047
मंगल	29/06/2047

मंगल - गुरु	
29/06/2047	
04/06/2048	
गुरु	13/08/2047
शनि	06/10/2047
बुध	23/11/2047
केतु	13/12/2047
शुक्र	08/02/2048
सूर्य	25/02/2048
चंद्र	25/03/2048
मंगल	13/04/2048
राहु	04/06/2048

मंगल - शनि	
04/06/2048	
13/07/2049	
शनि	07/08/2048
बुध	03/10/2048
केतु	27/10/2048
शुक्र	02/01/2049
सूर्य	22/01/2049
चंद्र	25/02/2049
मंगल	21/03/2049
राहु	20/05/2049
गुरु	13/07/2049

मंगल - बुध	
13/07/2049	
11/07/2050	
बुध	03/09/2049
केतु	24/09/2049
शुक्र	23/11/2049
सूर्य	11/12/2049
चंद्र	11/01/2050
मंगल	01/02/2050
राहु	27/03/2050
गुरु	14/05/2050
शनि	11/07/2050

मंगल - केतु	
11/07/2050	
07/12/2050	
केतु	19/07/2050
शुक्र	13/08/2050
सूर्य	21/08/2050
चंद्र	02/09/2050
मंगल	11/09/2050
राहु	03/10/2050
गुरु	23/10/2050
शनि	16/11/2050
बुध	07/12/2050

मंगल - शुक्र	
07/12/2050	
06/02/2052	
शुक्र	16/02/2051
सूर्य	09/03/2051
चंद्र	14/04/2051
मंगल	08/05/2051
राहु	11/07/2051
गुरु	06/09/2051
शनि	13/11/2051
बुध	12/01/2052
केतु	06/02/2052

मंगल - सूर्य	
06/02/2052	
13/06/2052	
सूर्य	12/02/2052
चंद्र	23/02/2052
मंगल	01/03/2052
राहु	21/03/2052
गुरु	07/04/2052
शनि	27/04/2052
बुध	15/05/2052
केतु	22/05/2052
शुक्र	13/06/2052